SPECIAL MENTIONS

HON. CHAIRPERSON: Now, Shrimati Meenakashi Lekhi Ji.

SHRIMATI MEENAKASHI LEKHI (NEW DELHI): Sir, I stand here first to extend my heartful gratitude to our armed forces as well as to the CAPF. Like several other problems, it falls in the line of duty for Modi Government to sort out those problems and mess that we have inherited for many decades.

(1900/MMN/SJN)

The problem of NFU has been solved by the Modi Government, and it is likely to be operational very soon. Similarly, I feel, out of all the countries, a very few countries face the terror threats the way we all do, the way India does. The Armed Police Forces play a very, very important role in curbing those menaces. One such problem with the armed forces is that unlike the army, the CAPF does not have peace posting and because there is no peace posting and constantly the troops are moving from Jammu and Kashmir to North-East, from North-East to Jharkhand and from Jharkhand to other Naxal-affected areas and to managing airports, the stress level is very high. While we are solving so many problems of the past, I would suggest that the Government of the day also take care of such postings, make arrangement to de-stress the Armed Police Forces and take care of their well-being by introducing a posting system which is parallel to the military. Thank you very much.

1901 hours (Hon. Speaker *in the Chair*)

डॉ. महेन्द्रभाई कालूभाई मुंजपरा (सुरेन्द्रनगर) : अध्यक्ष महोदय, मैं सुरेन्द्रनगर (गुजरात) से आता हूं। मेरे सुरेन्द्रनगर संसदीय क्षेत्र की जनता मनोरंजन प्रिय है। वहां एफ. एम. रेडियो के दो ट्रांसमीटर चार-पांच साल पहले पास हुए थे, लेकिन आज तक उसमें कुछ भी प्रोग्रेस नहीं हुई है।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप गुजराती में बोलिए, हिन्दी में बोलिए, मराठी में बोलिए, मैं सारी भाषाएं समझता हूं। लेकिन आपने जो विषय दिया है, उसी विषय पर ही बोलिए।

…(<u>व्यवधान</u>)

डॉ. महेन्द्रभाई कालूभाई मुंजपरा (सुरेन्द्रनगर) : अध्यक्ष महोदय, एफ. एम. रेडियो का जो ट्रांसमीटर है, अगर वह हमारे यहां पर लग जाए, तो मेरे क्षेत्र की जो संगीत प्रेमी जनता है, उनको अच्छा लगेगा।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. किरिट पी. सोलंकी को डॉ. महेन्द्रभाई कालूभाई मुंजपरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री विजय कुमार - उपस्थित नहीं।

डॉ. किरिट पी. सोलंकी- उपस्थित नहीं।

श्री अजय भट्ट (नैनीताल-ऊधमसिंह नगर) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस अति महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। मान्यवर, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) जो श्रम विभाग, भारत सरकार का एक उपक्रम है। वह कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। उन्होंने उत्तराखंड नवोदित राज्य में अभी तक कोई भी चिकित्सालय ठीक ढंग से संचालित नहीं किया है। आज से 10 वर्ष पूर्व 3 चिकित्सालय प्रारंभ हुए थे, जिनके लिए हमारी राज्य सरकार ने जमीन भी दे दी है और सारी फॉर्मेल्टीज भी पूरी कर दी हैं, लेकिन आज तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। मेरे लोक सभा क्षेत्र नैनीताल-ऊधमसिंह नगर में रुद्रपुर नामक स्थान पर 100 बेड का अस्पताल बना है। उसका उद्घाटन भी कर दिया गया है, लेकिन मात्र दो डॉक्टर्स ही ओपीडी चला रहे हैं और 100 बेडों के अस्पताल पर ताला लगा हुआ है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करता हूं कि अतिशीघ्र रुद्रपुर स्थित ईएसआईसी का जो अस्पताल है, उसको प्रारंभ कर दिया जाए।

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Thank you, Speaker, Sir, for giving me an opportunity to raise an urgent matter of public importance relating to my constituency. In my Parliamentary Constituency, there are various railway stations. I could not get a chance to speak in the debate on the Railway Budget. That is why, I am raising the matter in the 'Zero Hour'.

Sir, Chengannur railway station is the gateway to Sabarimala. The Indian Railway Station Development Corporation has planned to spend Rs.100 crore for the development of that railway station. But so far, the work has not been taken up.

(1905/VR/KN)

The work at this station was estimated to be Rs.100 crore by the Indian Railway Station Development Corporation (IRSDC). But still it is pending with the Southern Railway. This is a very important station as far as Sabarimala is concerned.

Cheriyanad is another station which is very near to Chengannur. But it can be upgraded as a satellite station of Chengannur. We can provide more facilities for lakh of Ayyappa devotees who come from all over the country.

There is a proposal for a train from Chengannur to Tirupati. This proposal is also lying with the Southern Railway. I request the Government to consider it immediately.

The area surrounding Chengannur station needs to be developed. A *Rail Yatri Niwas* for Ayyappa devotees and other passengers should be constructed. A railway hospital should also be established there to facilitate these passengers. There is also an urgent need of a railway reservation office. So, a separate building should be constructed for that purpose. Thank you, Sir.

माननीय अध्यक्ष : श्री कानुमुरू रघु राम कृष्णराजू – उपस्थित नहीं।

श्री रामदास तडस – उपस्थित नहीं।

श्री अरूण कुमार सागर।

श्री अरूण कुमार सागर (शाहजहाँपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आज आपने मुझे पहली बार इस सदन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। सबसे पहले मैं देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी का और हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे जनपद शाहजहाँपुर से प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं उत्तर प्रदेश के लोक सभा क्षेत्र शाहजहाँपुर से आता हूँ। मैं आपका ध्यान रेलवे स्टेशन की ओर दिलाना चाहता हूं। हमारा क्षेत्र शहीदों की नगरी कहा जाता है। वह ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्लाह खां जैसे कई शहीदों की धरती है। माननीय अध्यक्ष महोदय, शाहजहाँपुर जनपद में रेलवे स्टेशन का मुख्यद्वार तथा प्लेटफार्म नंबर 1 उत्तर की ओर स्थित है। नगर की आबादी का लगभग 75 प्रतिशत भाग रेलवे स्टेशन के दक्षिण की ओर बसता है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे तथा रेल मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूँगा कि हमारी आबादी का 75 प्रतिशत हिस्सा दूसरी तरफ है, क्योंकि जहाँ मुख्यद्वार है, वहाँ पर काफी जाम की स्थिति रहती है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगा कि वहाँ पर टिकट घर बनवाने का कार्य किया जाए। मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद देना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती हेमामालिनी– उपस्थित नहीं।

श्री विनोद कुमार सोनकर।

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय पूर्वांचल का एक्सफोर्ड कहा जाता है, जहाँ पर पूरे पूर्वांचल से ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं। देश को चलाने के लिए जैसे शिक्षक की ज़रूरत है, डॉक्टर की ज़रूरत है, ब्यूरोक्रेट्स की ज़रूरत है, वैसे ही देश को चलाने में राजनेताओं की बड़ी भूमिका है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने बहुत सारे जनप्रतिनिधि देश

को दिए हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में छात्रसंघ को समाप्त कर दिया गया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से माँग करता हूँ, माननीय मंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ को बहाल किया जाए। छात्र जीवन से, समाज से जुड़े हुए विषयों पर, समाज से जुड़ी हुई समस्याओं पर लड़ने का, सीखने का अगर अवसर नहीं मिलेगा तो निश्चित रूप से देश में जो राजनेताओं की ज़रूरत है, आवश्यकता है, उसमें कहीं न कहीं कमी आएगी। मैं आपके माध्यम से माँग करता हूँ कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पुन: छात्रसंघ को बहाल किया जाए।

(1910/RBN/CS)

SHRI ANTO ANTONY (PATHANAMTHITTA): I request the Government, through this august House, to kindly include Gavi in Kerala under the National Tourism destination. Gavi, one of the major tourist attractions in Kerala, is located in my Parliamentary Constituency, Pathanamthitta. Gavi is located in the Western Ghats and adjacent to the Periyar Tiger Reserve.

However, lack of infrastructure is one of the stumbling blocks to tourism development of Gavi. For instance, there are no medical facilities available at Gavi. Therefore, people have to travel about 70 km. through the deep forest to reach a hospital. In addition to lack of health care facilities, Gavi is also suffering from a shortage of electricity, drinking water, proper road connectivity, and mobile network coverage. Besides the growing number of tourists, Gavi is also home to nearly 450 families, and the lack of basic facilities also make the lives of its residents miserable.

Having understood the prospects of Gavi and the pathetic condition of its amenities, the Government sanctioned an amount of Rs. 76.55 crore for Pathanamthitta – Gavi – Vagamon – Thekkady Eco Tourism Circuit under the Swadesh Darshan Scheme. However, the amount was very meagre compared to the growing need for infrastructure development at Gavi. Therefore, I request the Government to kindly include Gavi in Kerala under the National Tourism destination and sanction maximum amount for developing its facilities.

श्री राम शिरोमणि (श्रावस्ती): महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अति अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय "मोबाइल नेटवर्क" की तरफ दिलाना चाहता हूँ। मेरे संसदीय क्षेत्र जिला श्रावस्ती के नेपाल बार्डर से सटे हुए तराई क्षेत्र के ग्रामों भचकाही, मोतीपुर कलां, कटकुइया तथा जिला बलरामपुर के गाँव भुसहर, चन्दनपुर, भोरी साल, सड़नी, गोड़नी, कंचनपुर आदि गाँवों में मोबाइल टावर व ब्रॉडबैंड कनेक्टविटी/इंटरनेट न होने के कारण दूर-दराज के गाँवों में मोबाइल नेटवर्क व

इंटरनेट की सुविधा नहीं मिल पाती है। इस कारण 21वीं सदी में भी डिजिटल टेक्नोलॉजी व इंटरनेट सुविधा से क्षेत्र की जनता वंचित है।

राप्ती नदी का जल स्तर बढ़ने और मिट्टी का कटाव होने से सैकड़ों गाँव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं, जगह-जगह सम्पर्क मार्ग टूट गया है और लोगों का जनसम्पर्क टूट गया है। इससे लोगों में दहशत फैली हुई है। हजारों की संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। लोग बंधों व टीलों पर खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर हैं। इनके लिए सरकार की तरफ से अभी तक कोई राहत पैकेज की व्यवस्था नहीं हुई है।

महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार से माँग करते हैं कि बाढ़ पीड़ित इलाकों का सर्वे कराकर यथाशीघ्र प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष आर्थिक सहायता, सड़क निर्माण, दवा तथा पीड़ित लोगों के लिए आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मेरे संसदीय क्षेत्र के नेपाल बार्डर से सटे हुए अति पिछड़े व तराई इलाकों में ब्रॉडबैंड लाइन व बीएसएनएल टॉवर लगवाने की व्यवस्था की जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. संजय जायसवाल को श्री राम शिरोमणि द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

SHRI P.K. KUNHALIKUTTY (MALAPPURAM): Hon. Speaker, I would like to bring to the attention of the Government about the pathetic condition of the Aligarh Muslim University Campus in my Constituency. This Campus is a beautiful one and enough grant has been given by the Government. All the infrastructure, etc. is there. This Centre has submitted a good DPR to the Government. But in the last four or five years, the Central Government has not sanctioned any fund to this Campus.

As a result of this, this Centre is facing a great difficulty. Now, we are talking of *sabka saath* and *sabka vishwas*, *beti bachao beti padhao*, etc. But this Centre which is intended to spread education for all, has not been sanctioned any fund. So, this is a kind of discrimination. Not a single paisa has been sanctioned over the last four or five years to this Aligarh Muslim University Campus.

So, I request the Government to sanction sufficient funds for this Campus. At least for the DPR, funds should be sanctioned. Thank you.

(1915/RV/SM)

डॉ. किरिट पी. सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय उठाने की अनुमति दी।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को और पूरे देश को बताना चाहता हूं कि गुजरात में तकरीबन 900 साल पहले वीर मेघमाया नामक एक ऐसे सन्त पैदा हुए थे, जिन्होंने सामाजिक न्याय और पानी के लिए अपने प्राणों की कुर्बानी देकर एक बड़ा कार्य किया था। आज से 900 साल पहले गुजरात की राजधानी पाटण हुआ करती थी। उस समय वहां के राजा सिद्धराज जयसिंह थे। वहां कुछ सालों के लिए अकाल पड़ा। जब वहां पानी की किल्लत थी तो सिद्धराज जयसिंह ने वहां सहस्त्रलिंग तालाब का निर्माण करवाया। उसके चारों ओर एक हजार शिवलिंग थे। पर, वहां पानी नहीं आया। जब वहां पानी न आने का कारण पूछा गया तो पंडितों ने बताया कि इसके शापित होने की वजह से यहां पानी नहीं आया है और अगर कोई बत्तीसलक्षणा (सर्वगुणसम्पन्न) पुरुष उसमें अपने प्राणों की आहूति देता है तो उसमें पानी आएगा। वीर मेघमाया एक दलित बुनकर सन्त थे। उन्होंने अपने प्राणों की आहूति दी और राजा से उन्होंने गुहार की कि जो दलितों के प्रति लोग अस्पृश्यता रखते हैं, उसे मिटाया जाए। ऐसे सन्त ने पानी के कारण अपना बलिदान दिया तो लोगों को वहां पानी मिला।

महोदय, जब प्रधान मंत्री जी ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है तो आपके माध्यम से मैं सरकार से गुहार करता हूं कि दलित सन्त वीर मेघमाया के नाम पर पानी की कोई योजना बने। आपने जो मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

माननीय अध्यक्ष: डॉक्टर साहब ने अपने आवेदन में 'डाक टिकट जारी करने' के बारे में लिखा था।

श्री रामदास तडस (वर्धा): महोदय, मैं एक ऐसे संसदीय क्षेत्र से आता हूं जो महात्मा गांधी और आचार्य विनोबा भावे की कर्मभूमि है।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान महान सामाजिक कार्यकर्ता आचार्य विनोबा भावे जी की अखण्ड पद यात्रा की ओर आकृष्ट करते हुए कहना चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र वर्धा के सेवाग्राम से 07 मार्च, 1951 में यह पदयात्रा शुरू की गई थी, जो आंध्र प्रदेश के शिवरामपल्ली तक, जो आज के तेलंगाना राज्य के नालगोंडा जिले का पोचमपल्ली गांव है, वहां तक की गयी थी। इसे भूदान आंदोलन के लिए किया गया था, जो एक क्रांतिकारी एवं साहसिक कदम था। आचार्य जी ने इस गांव में 'सब भूमि गोपाल की' की घोषणा करते हुए जमींदारों से जमीन दान में मांगी। आचार्य ने 40 हजार मील की पदयात्रा की, जिसका प्रतिफल तीन लाख हेक्टेयर जमीन उस समय भूदान यज्ञ में मिली थी। उस समय एक लाख 99 हेक्टेयर जमीन बांटी गयी, लेकिन एक लाख हेक्टेयर जमीन जिन्हें बांटने के लिए दी गयी, उनमें से कुछ लोगों ने उस पर कॉलेज खोल लिए और कुछ जमीनों को किसी अधिकारी ने दबा दिया।

महोदय, इसकी जांच होनी चाहिए।

श्री कृष्ण पाल सिंह उर्फ डॉ. के.पी. यादव (गुना): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया।

महोदय, मेरे गुना लोक सभा संसदीय क्षेत्र में अशोक नगर जिला आता है, जहां का मैं निवासी हूं। वहां रेलवे क्रॉसिंग संख्या 41 पर करीब 20-25 सालों से एक अण्डरब्रिज बनाने की मांग चल रही थी। पर, पहले कुछ नेताओं ने वहां पर अण्डरब्रिज न बनाकर, वहां पर फुट ओवरब्रिज बनवा दिया, जिससे पूरा शहर परेशान है और वह ब्रिज पूरी तरह से अनुपयोगी है। अभी फिर से उसकी मांग चल

रही है। लोग इसके लिए काफी परेशान हो रहे हैं। अण्डरब्रिज का नक्शा पास हो गया है, डी.पी.आर. बन गयी है, पर उसके लिए राशि स्वीकृत नहीं हो रही है।

(1920/MY/AK)

अगर वह राशि सैंक्शन हो जाए और जल्दी से उस अण्डरब्रिज का काम हो जाए, तो लोगों को बहुत सुविधा मिलेगी।

दूसरी चीज, वहां पर कोटा-बीना वाली जो डबल लाइन चल रही है, वह इतनी स्लो चल रही है कि चुनाव के बाद चार-पांच ट्रेनें रद्द कर दी गईं, उनके स्टॉपेज़ कम कर दिए गए। वहां जो विद्यार्थी रोज आते-जाते हैं, उनको बहुत तकलीफ हो रही है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि उन ट्रेनों को फिर से चालू किया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अभी बोलने के लिए चार-पांच और माननीय सदस्य हैं। आप सभी से मेरा सिर्फ इतना ही आग्रह है कि आपका विषय महत्वपूर्ण है, इसलिए आप उस विषय को संक्षिप्त में कह दें और अपनी मांग सदन के सामने रख दें।

डॉ. रामशंकर कठेरिया (इटावा): अध्यक्ष जी, मैं इटावा लोक सभा क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। इटावा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र आगरा की सीमा से लेकर कानपुर की सीमा तक फैला हुआ एक बड़ा क्षेत्र है। इस क्षेत्र में एक पार-पट्टी का क्षेत्र है, जिसमें यमुना और चंबल का बहुत बड़ा क्षेत्र है। यह क्षेत्र बहुत ही उबड़-खाबड़ है। हमारे इटावा लोक सभा क्षेत्र के लोगों की एक मांग है कि वहां कोई पासपोर्ट ऑफिस नहीं है। वहां के नौजवान कभी लखनऊ जाते हैं और कभी गाजियाबाद आते हैं। वहां की जनता को अपना पासपोर्ट बनवाने में बहुत परेशानी होती है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से विनती करता हूं कि हमारे इटावा लोक सभा क्षेत्र में एक पासपोर्ट ऑफिस खोला जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Thank you very much, Sir. My '*Zero Hour*' submission is regarding non-payment of wages to the BSNL contract workers.

I have already taken it up with the Ministry that most of the activities including operation and maintenance of the entire BSNL network is being done by the contract workers. Unfortunately, they are not getting wages for the last six months.

I would urge upon the Telecom Ministry to initiate immediate steps so as to give payment of wages to all the BSNL contract workers. This is my submission. I would also like to urge the hon. Parliamentary Affairs Minister to please make note of this issue, and please get it done through the Ministry. Thank you very much, Sir.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से ए.एस.आई. द्वारा लिए गए बेतिया राज के सारे मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में एक विषय उठाना चाहता हूं। बेतिया में काली बाग मंदिर है, जिसमें तीन हजार से ज्यादा मूर्तिया रखी हुई थीं। वहां से बहुत सारी मूर्तियां चोरी हो गई हैं। उस पूरे मंदिर इलाके को ए.एस.आई. ने पहले से ही लिया हुआ है। उसकी बाउंड्री वाल बनाना तथा उसकी रक्षा करना ए.एस.आई. का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अपील करता हूं और आप भी माननीय कला व संस्कृति मंत्री जी से कह दें कि वह शीघ्र ही काली बाग मंदिर की चारदीवारी बनाकर उसकी सारी मूर्तियों की रक्षा करें।

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया, इसके लिए आपका अत्यंत आभार।

बागपत एनसीआर का भाग है और यह खेल के क्षेत्र में एक विशेष स्थान रखता है। हम केवल शूटिंग में पूरे देश के लगभग 50 परसेंट बच्चे तैयार करते हैं। हम लोगों ने अभी तक 42 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और लगभग 300 राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार किए हैं। कुश्ती में हमारे सात अर्जुन अवार्डीज़ हैं। वॉलीबाल, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स और आर्चरी के अंदर हमारे यहां से राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत से खिलाड़ी जा रहे हैं, लेकिन हमारे बागपत में खेलों के लिए कोई अच्छी सुविधा नहीं है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि वहां राष्ट्रीय स्तर का एक खेल संस्थान या किसी अन्य खेल संस्थान की एक ब्रांच खोली जाए। आपका अत्यंत आभार।

श्रीमती जसकौर मीना (दौसा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहती हूं। गंगापुर-दौसा जो नई रेलवे लाइन बन रही है, इस रेलवे लाइन के जितने भी अण्डरपास बने हैं, वे कवर्ड नहीं हैं। ऐसी स्थिति में कलुवास और डुंगरपुर के मध्य अभी हाल ही में एक स्कूल बस फंस गई थी। उस बस में सवार स्कूल के बच्चों को छत तोड़कर निकाला गया। ऐसी स्थिति में हमें बड़े हादसे से मुक्ति मिली। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहती हूं कि रेलवे विभाग को निर्देशित किया जाए कि इस नई रेलवे लाइन के जितने भी अण्डरपास हैं, वे या तो कवर्ड हों या अन्य किसी भी तरह से सुरक्षित हों, ताकि वहां आवागमन सुरक्षित रहे।

(1925/SPR/CP)

SHRI B. MANICKAM TAGORE (VIRUDHUNAGAR): Sir, through you, I would like to request the Finance Minister to help in the issue concerning the EPFO. Reduction of rate is affecting the professionals who have General Provident Fund and similar funds. Sir, rate of interest on pension funds for the previous quarter given to the Government employees was reduced from eight 8 per cent to 7.9 per cent. This is a very important issue because the Finance Ministry has written to the Labour Minister to review the decision to offer 8.65 interest rate. It is going to affect more than six crore professionals across India and it would also affect those people who are not in the Government sector. Therefore, the

Finance Minister should not punish those professionals in that way and should not cut the EPFO interest rates. Thank you so much, Sir.

कुंवर दानिश अली (अमरोहा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं एक बहुत ही महत्पूर्ण मुद्दा यहां उठाने के लिए यहां खड़ा हुआ हूं। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संचालित योजना एसपीक्यूईएम, एसपीईएमएम योजना के अंतर्गत मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षक के मानदेय को लेकर मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। अकेले उत्तर प्रदेश में करीब 25 हजार ऐसे शिक्षक हैं, जो मदरसे से जुड़े हुए हैं। उनका मानदेय कुल 6 हजार रुपये प्रति माह है और जो बीएड किए हुए हैं, उनका मानदेय 12 हजार रुपये प्रति माह है। इस्लामिक मदरसों में जो दूसरे विषय, अंग्रेजी, गणित, साइंस आदि की शिक्षा देते हैं, दुर्भाग्य से वर्ष 2016 से केन्द्र सरकार ने उनको उनका मानदेय नहीं दिया है। इसके चलते दर्जनों शिक्षकों की मृत्यु हो गई है। वे भुखमरी के कगार पर हैं।

महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह मांग है कि उनकी समस्या का तुरन्त समाधान करें और सरकार उनको मानदेय दिलाने की कृपा करे।

माननीय अध्यक्ष : श्री राजेन्द्र अग्रवाल जी। माननीय सदस्य मुझे घंटी न बजानी पड़े। आप सभी एक-एक मिनट में अपनी बात कहें।

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मेरठ से पानीपत की रेलवे लाइन मंजूर की जा चुकी है। उस लाइन के लिए 300 करोड़ रुपये आबंटित भी किए जा चुके हैं। एलाइनमेंट को लेकर कुछ छोटी-मोटी समस्याएं थीं, वे भी अब हल हो चुकी हैं।

मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि मेरठ से पानीपत की जो रेलवे लाइन है, उसको डलवाया जाए, शुरू किया जाए और फिर पूरा किया जाए। ये दोनों ही बहुत महत्वपूर्ण नगर हैं। इससे दोनों नगरों का बहुत भला हो जाएगा।

श्री विष्णु दत्त शर्मा (खजुराहो): अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र के अंदर बरियारपुर डैम है। वर्ष 1977 में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच ट्रीटी हुई थी। मझगवां परियोजना जो पानी की है, वह पन्ना क्षेत्र के लिए आवश्यक है। इसके लिए केवल 1 किलोमीटर की कैनाल की परमीशन चाहिए, वह उत्तर प्रदेश की सरकार ने नहीं दी है।

मेरा अनुरोध है कि उत्तर प्रदेश की सरकार इसकी अनुमति दे। इस परियोजना से कम से कम सैकड़ों गांव लाभान्वित होंगे। मैं मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार इसके लिए अनुमति दे।

श्री लल्लू सिंह (फैजाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा पर करीब 150 ऐसे पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल हैं, जिनका विकास होने से अयोध्या का बड़ा स्वरूप खड़ा होगा। पूरी दुनिया और देश के लोग जब अयोध्या आएंगे, तो उसे देख सकेंगे, उसके दर्शन कर सकेंगे।

मेरा आपके माध्यम से पर्यटन मंत्री से आग्रह है कि उन स्थानों का विकास करने का कष्ट करें।

डॉ. उमेश जी. जाधव (गुलबर्गा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। गुलबर्गा, ईएसआई मेडिकल कॉलेज वर्ष 2014 में ओपन हुआ। अभी वहां पर बिल्डिंग पूरी नहीं बनी हुई है, लेकिन मेडिकल कॉलेज खोल दिया गया है। ईएसआई मेडिकल कॉलेज में अभी तक पूरा स्टाफ नहीं है।

मेरी मांग है कि वहां स्टाफ की व्यवस्था हो। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज का कॉलेज वहां दिया जाए, तो बहुत अच्छा होगा। मेरी आपके माध्यम से यह प्रार्थना है।

सुश्री प्रतिमा भौमिक (त्रिपुरा पश्चिम): अध्यक्ष महोदय, मेरे स्टेट त्रिपुरा में 55 टी-गार्डन्स हैं। वहां 96 लाख के.जी. चाय मेरे स्टेट में पैदा होती है। बांग्लादेश हमारे पड़ोस में है। बांग्लादेश 65 लाख किलो चाय श्रीलंका से आयात करता है।

मेरी आपके माध्यम से मंत्री जी से, सरकार से रिक्वैस्ट है कि हमारे स्टेट से बांग्लादेश को चाय एक्सपोर्ट की जाए। मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने यह बात रखती हूं। यह मेरे स्टेट के लिए बहुत अच्छा होगा, बहुत ही अच्छा होगा।

(1930/NK/UB)

श्री संतोष पाण्डेय (राजनंदगाँव): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, धन्यवाद। छपरा से दुर्ग के लिए सारनाथ एक्सप्रेस रात को चलती है और प्रात: पहुंचती है, उसके बाद दिन भर खड़ी रहती है। फिर दुर्ग से आठ बजे निकलती है, यदि सारनाथ एक्सप्रेस को गोंदिया से कर दिया जाए तो बीच के तीन स्टेशन के समय का भी सदुपयोग हो जाएगा। राजनंदगाँव एक जिला है, जहां से बहुत यात्री आते-जाते हैं।

वहां एक फुटओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, राजनंदगाँव की जनसंख्या के हिसाब से उसकी चौड़ाई बहुत कम है। अभी निर्माण के समय ही इस पर ध्यान दिया जाए तो बहुत अच्छा होगा।

डोंगरगढ़ से कटघोरा रेल लाइन माननीय प्रधान मंत्री जी ने दी है, सब कुछ हो गया है, लेकिन काम की गति बहुत धीमी है, उसमें तेजी लाई जाए, यही निवेदन है।

SHRIMATI VANGA GEETHA VISWANATH (KAKINADA): Sir, all over India, lakhs of weavers and artisans are dependent on handlooms and handicrafts. Handloom sector has played a vital role in the country's economy. It is the second largest employment generating sector after agriculture and it provides both livelihood and clothing to millions of people, especially in rural areas. These artisans are there all over India.

Fortunately, in our two Telugu States, in Pochampally, Gadwal, Vetapalem, Uppada and Peddapuram, Uppada Saree has a patent right. Now,

it is a problem that we are witnessing there is illegal production of handlooms/patented items by powerlooms and they are selling them in the domestic market in the name of handlooms; Imitation business affects the livelihood of the artisans and weavers and, as a result, thousands of weavers are leaving their weaving trade. So, I urge upon the Government to protect handlooms and handicrafts in the country.

श्री नायब सिंह सैनी (कुरूक्षेत्र): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कुरूक्षेत्र लोक सभा क्षेत्र की एक बहुत ही महत्वपूर्ण समस्या की ओर सरकार का ध्यान लाना चाहता हूं। मेरे क्षेत्र में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय है। उसमें बहुत सारे बच्चे साइकिल रेस ट्रैक न होने के कारण सड़कों पर प्रैक्टिस करते हैं। कई बार वहां दुर्घटना हुई है, जिसमें कई युवा अपनी जान भी गवां चुके हैं।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उन युवाओं के लिए कोई साइकिल रेस ट्रैक नहीं है, भारी संख्या में युवा बाहर प्रैक्टिस के लिए रोड पर जाते हैं।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में एक वेलोड्रम साइकिल रेस ट्रैक बनाया जाए ताकि अपनी प्रैक्टिस करने के लिए जा सकें।

डॉ. भारतीबेन डी. श्याल (भावनगर): अध्यक्ष महोदय, भावनगर और मुंबई सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक रूप से जुड़े हुए हैं। शाम को भावनगर से मुंबई के लिए फ्लाइट जाती है लेकिन नियमित रूप से वह अनियमित रहती है, इससे हम लोगों को बहुत तकलीफ होती है।

मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से आग्रह करती हूं कि भावननगर से मुंबई के लिए एक सुबह की फ्लाइट चलाई जाए। हमारे यहां एशिया का सबसे बड़ा शिपब्रेकिंग यार्ड है। ब्लैक बग की नेशनल सेंन्चुरी भी है। पीपावा पोर्ट भी नजदीक है, पालीताना जैनों का पवित्र तीर्थ स्थल है। भावनगर से मुंबई के लिए एक सुबह की फ्लाइट चलाई जाए।

श्री सुनील कुमार सोनी (रायपुर): अध्यक्ष महोदय, भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वर्तमान में 14,18 और 22 कैरेट के स्वर्ण आभूषणों पर हालमार्क की मान्यता दी गई है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि 20 कैरेट के आभूषणों को हॉलमार्किंग की मान्यता दी जाए। 20 कैरेट के स्वर्ण आभूषण में मजबूती अधिक रहती है, जिससे टूट-फूट की संभावना कम होती है और यह हल्के वजन में बनता है।

श्री विजय बघेल (दुर्ग): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र में नगरपालिका निगम भिलाई सरोदा है। वहां एक देवबलोदा वार्ड है जो रेलवे क्षेत्र में बसा हुआ है। अधिकतर आबादी वहां बसती है। वहां पेयजल व्यवस्था के लिए एक ओवरटैंक बनाया जा रहा है, जिसकी अनुमति रेल विभाग से मिले। मैं आपके माध्यम से रेल विभाग से निवेदन करता हूं।

(1935/SK/KMR)

श्री अनुराग शर्मा (झांसी): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे जीरो आवर में पहली बार बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत धन्यवाद। मैं झांसी कांस्टीटुएंसी को रिप्रेजेंट करता हूं। यहां झांसी और ललितपुर दो जिले हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि हैल्थ के इश्यू पर कुछ पॉलिसी चेंज की जाए। ललितपुर में सिर्फ एक डायलिसिस मशीन अभी पहुंची है, जो अभी चालू नहीं हुई है। इतनी बुरी हालत है कि 79 डॉक्टर्स रिक्वायर्ड हैं जबकि 32 ही हैं। मैं आपके माध्यम से पॉलिसी चेंज के लिए आग्रह करता हूं। इन पब्लिक हैल्थ सैंटर्स में दूसरी पैथी के भी अगर डॉक्टर्स बिठा दिए जाएं तो प्राइमरी हैल्थ में थोड़ी सी मदद हो जाएगी।

श्री दिलीप साईकिया (मंगलदाई): माननीय अध्यक्ष जी, मेरे क्षेत्र में बाढ़ का कहर जारी है फिर भी अभी थोड़ी राहत मिली है। एसडीआरएफ से 251 करोड़ रुपये मिले हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि 1000 करोड़ रुपये की स्पेशल असिस्टेंस असम के लिए दी जाए। मेरा यही निवेदन है।

श्री गुहाराम अजगल्ले (जांजगीर-चांपा): माननीय अध्यक्ष जी, मेरा विषय पर्यटन विभाग से संबंधित है। मेरे संसदीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण नगरी शिबरी नारायण की पर्यटन की दृष्टि से विकास करने की अति आवश्यकता है। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से कई महत्वपूर्ण अवशेष शिबरी नारायण में देखने को मिलते हैं। माता शिबरी की पावन धरा के विकास के लिए वर्तमान नगर अध्यक्ष ने प्रशंसनीय कार्य किया है।

मेरा केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी से विशेष निवेदन है कि इस पर ध्यान दिया जाए।

श्री संजय सेठ (राँची): माननीय अध्यक्ष जी, झारखंड की राजधानी रांची में अशोका होटल, जो 1988 से चालू था, के बारे में बताना चाहता हूं। यह होटल आईटीडीसी और बीएसटीडीसी के ज्वाइंट वैन्चर में चल रहा था। यह होटल पिछले दस सालों से बंद है। यह होटल करीब तीन एकड़ में स्थित था।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इस होटल को पुन: चालू कर दिया जाए। इससे सैकड़ों लोगों को रोजगार मिल जाएगा, वेतन मिल जाएगा।

श्री भागीरथ चौधरी (अजमेर): माननीय अध्यक्ष जी, मेरे संसदीय लोकसभा क्षेत्र में किशनगढ़, जो पुराना रेलवे स्टेशन था, को सात-आठ किलोमीटर आगे स्थानांतरति कर दिया गया है। यहां से हजारों मजदूर आते हैं।

मेरा आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से निवेदन है कि यहां अंडरपास बना दिया जाए, इससे लोगों को सुविधा होगी।

श्री मोहन मण्डावी (कांकेर): माननीय अध्यक्ष जी, कांकेर जिले में बहुत बड़ा दुधावा जलाशय है, लेकिन हमारे यहां जीरो परसेंट भी सिंचाई व्यवस्था नहीं है। गंगा कही जाने वाली महानदी गर्मी के दिनों में सूख जाती है। मछली मारने के लिए बीच में ही पानी खाली कर दिया जाता है। मेरा आपके

माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि महानदी के दोनों तरफ दुधावा जलाशय की सिंचाई व्यवस्था की जाए।

हमारे यहां पर्यटकों के लिए भी कोई जगह नहीं है। दुधावा क्षेत्र को पर्यटक स्थल बनाया जाए। माननीय प्रधान मंत्री देने लेने में संकोच नहीं करते।

देत लेत मन संक न धरई। बल अनुमान सदा हित करई॥
बिपति काल कर सतगुन नेहा। श्रुति कह संत मित्र गुन एहा॥

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य 40,000 हनुमान चालीसा बांट चुके हैं।

श्री मोहन मण्डावी (कांकेर): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आरक्षित क्षेत्र से आता हूं, इसलिए समय में थोड़ा आरक्षण मिलना चाहिए। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी के लिए कहना चाहता हूं -दैहिक दैविक भौतिक तापा। मोदी राज नहिं काहुहि ब्यापा। अगर दुधावा बांध से पानी मिल जाए तो हमारे क्षेत्र में राम राज्य स्थापित होगा।

मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि इसे पूरा करने की कृपा करें।

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): माननीय अध्यक्ष जी, कारगिल युद्ध के 20 वर्ष पूरे हो गए हैं। देश का एक-एक व्यक्ति सेना पर गर्व करता है। माननीय प्रधान मंत्री जी हर दीपावली देश के फौजियों के साथ मनाते हैं। मैं आज के समाचार पत्र में पढ़ रहा था, औरंगजेब नाम के सैनिक की वहां आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी, उसके दो सगे भाइयों ने आर्मी ज्वाइन की है।

अंत में, मैं आपसे बोलना चाहता हूं और यही मेरा विषय है कि भारतीय सेना, एयर फोर्स, नेवी या पैरा मिलिट्री फोर्सिस जैसे बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी में,

(1940/MK/SNT)

जो सैनिक शहीद हो जाते हैं, उनके स्थान पर अनुकम्पा नियुक्ति होती है। जब उनकी विधवा पत्नी या परिवार के किसी व्यक्ति को सर्विस मिलती है तो दो-तीन साल बाद उनका स्थानांतरण प्रदेश से बहुत दूर कर दिया जाता है। 16 वीं लोक सभा में भी मैंने इस विषय को उठाया था। सरकार ने इसके लिए एक एडवाइजरी जारी की थी, उसके लिए मैं आभार प्रकट करता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जिनको भी अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति मिली है, शहीदों के सम्मान में ऐसे नियम बनाए जाएं, ताकि उनको उन्हीं के जनपद के नजदीक उसी प्रदेश में रखा जाए।

श्री गिरीश भालचन्द्र बापट (पुणे): धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय। नासिक एक तीर्थ क्षेत्र है, जहां बौद्ध यात्रियों की भीड़ रहती है। बहुत सालों से यह मांग है कि पुणे-नासिक के बीच नई रेलगाड़ी शुरू की जाए। इसके लिए मैं मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि वे जल्द-से-जल्द पुणे-नासिक रेलगाड़ी शुरू करें।

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया): माननीय अध्यक्ष जी मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। अभी एक सप्ताह पहले हमारे यहां बाढ़ आई थी, जिनमें 15 लोगों की जानें चली गईं। माननीय अध्यक्ष जी मैं दो मिनट समय लूंगा, पिछली बार भी मुझे एक मिनट का ही समय मिला था।

माननीय अध्यक्ष: आपको एक मिनट ही एलॉट है।

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया): हमारे यहां महानंदा नदी है। मैं अररिया लोक सभा क्षेत्र से चुन कर आया हूं, जो नेपाल की सीमा पर है। हमारे यहां हर साल बाढ़ आती है। अभी इतना पानी आया कि वह घरों में घुस गया है। बाढ़ से हर साल तबाही मचती है। हम लोग जो सड़क, पुल बनाते हैं, सरकार के करोड़ों रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर का काम करते हैं, लेकिन एक बार बाढ़ का पानी आता है और सबको तोड़ देता है। हमारे यहां महानंदा बेसिन प्रोजेक्ट वर्ष 2013 में बना था, उसमें एक फेज में महनंदा नदी के तटबंधों का काम हुआ था, दूसरे फेज का भी काम हुआ था। उन्हीं से लगी सहायक नदियां परवान, बकरा, नोहन्दरा, कन्कई, सुरसर, नुना, भोलवा आदि, ऐसी कई नदियां हैं जिन पर दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें फेज के तहत बाढ़ सुरक्षात्मक बांध बनने थे। यह योजना जलशक्ति मंत्री जी के पास लंबित पड़ा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से यह आग्रह करना चाहूंगा कि इस महत्वपूर्ण योजना के लिए अविलम्ब राशि को विमुक्त किया जाए और बाढ़ से किसानों और लोगों को बचाया जाए। हर साल लोगों की जानें जाती हैं। इस बार भी 15 लोग मर गए हैं। मैं अपनी बात एक मिनट में समाप्त कर रहा हूं। किसानों का जो बीजड़ा था वह अब रोपणी करने के लिए नहीं है। वह क्या खाएगा? राहत के नाम पर हर साल सरकार के करोड़ों रुपये जाते हैं। इसलिए इस महत्वपूर्ण योजना को किया जाए और नेपाल में इसके लिए एक डैम बनाया जाए।

1942 बजे

माननीय अध्यक्ष: अब पत्र सभा पटल पर रखे जाएंगे। श्री अर्जुन राम मेघवाल जी।

कार्य मंत्रणा समिति

पांचवां प्रतिवेदन

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य मंत्रणा समिति का पांचवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूं।

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनांक 23 जुलाई, 2019 को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

1943 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार 23 जुलाई 2019/1 श्रावण, 1941 (शक)
के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।